

माउंट कनलाओन

स्रोत: बजिनेस स्टैण्डर्ड

हाल ही में, फिलीपींस में 2,435 मीटर ऊँचा सक्रिय ज्वालामुखी माउंट कानलाओन में वसिफोट हुआ, जिससे कई कि.मी. तक राख और गैस फैल गई।

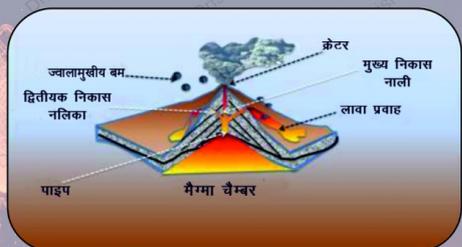
- माउंट कनलाओन नेग्रोस द्वीप के उत्तर मध्य भाग में एक स्ट्रैटोवोलकानो (या मशरति शंकु (Composite Cone) एक ऊँचा, शंकु के आकार का ज्वालामुखी) है।
- फिलीपींस और माउंट कनलाओन प्रशांत महासागर के अग्नि वलय (Pacific Ring of Fire) में स्थित है, जो अपनी उच्च भूकंपीय गतिविधियों तथा वशिव स्तर पर सबसे अधिक आपदा-प्रवण क्षेत्रों में से एक के रूप में जाना जाता है।

ज्वालामुखी:

- ज्वालामुखी (एक अंतरजात प्रक्रिया) पृथ्वी की भू-परपटी में एक दरार/ छदिर है जिसके माध्यम से वसिफोट उद्या ज्वालामुखी उद्गार के दौरान लावा, राख, वाष्प और गैस बाहर निकलती है।

ज्वालामुखी

ज्वालामुखी पृथ्वी की सतह पर उपस्थित ऐसा दरार या मुख होता है जिससे पृथ्वी के भीतर का गर्म लावा, गैस, राख आदि बाहर आते हैं।



ज्वालामुखीय बम

द्वितीयक निकास

पाइप

क्रेटर

मुख्य निकास नाली

लावा प्रवाह

मैग्मा चैम्बर

● प्रकार:

❖ **विस्फोट की आवधिकता के आधार पर:**

- सक्रिय: जिसमें हाल ही में विस्फोट हुआ हो
- प्रसुप्त: जिसमें विस्फोट की संभावना हो, कोई आसन संकेत नहीं
- विलुप्त: हाल में कोई विस्फोट नहीं, भविष्य में संभावना भी कम

❖ **उद्गार के आधार पर:**

- हवाई तुल्य: सबसे शांत प्रकार के ज्वालामुखी (कम गैसीय सामग्री)
- स्ट्रातोली तुल्य: मैग्मा में गैस के बड़े बुलबुले का बनना
- कल्केनियम: अधिक विस्फोटक
- फ्लोनिम तुल्य: मैग्मा की वाष्पशील गैसों के संकीर्ण नलिका से होकर उभरती हैं
- आइसलैंड तुल्य: अक्सर लावा पतारों का निर्माण करते हैं

❖ **ज्वालामुखी के आकार के आधार पर:**

- शील्ड ज्वालामुखी: बेसाल्डिक लावा से निर्मित, निम्न ढाल वाला
- शंकु ज्वालामुखी (सिंजर शंकु): सबसे प्रचुर मात्रा में
- मिश्रित शंकु (स्ट्रेटो ज्वालामुखी): विविध सामग्रियों की परतों द्वारा निर्मित।

● ज्वालामुखीय विशेषताएँ:

❖ **बहिर्वेधी (Extrusive):**

- क्रेटर: मैग्मा के लिये शंकु के आकार की निकास नलिका (vent)
- ज्वालामुखी कुंड (Caldera): बड़ा, क्रेटर के समान गड्ढा
- ज्वालामुखीय पदार: दारों से निकलने वाले उद्गार से समतल हुआ क्षेत्र

❖ **अंतर्वेधी (Intrusive):**

- बैचोल्डिक: ज्वालामुखी परतों का मुख्य कोर
- डाइक: जब लावा का प्रवाह दरारों में बगल के लगभग समकोण पर होता है
- सिल: अंतर्वेधी अक्षीय घटानों का क्षेत्र तल में एक घाद के रूप में ढंढा होता
- लेकोलिक: गुरुत्वाकर्षण दिशा में अंतर्वेधी घटाने जिनका तल समतल व एक पाइपरूपी वाहक नदी से नीचे से जुड़ा होता है

❖ **गोंग:**

- उष्ण जल स्रोत (Geysers): 100 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का भूमिगत जल, मैग्मा द्वारा संवर्धित होता है, जिसके परिणामस्वरूप भाप और तनु खनिजों के साथ शक्तिशाली विस्फोट होते हैं।
- हॉट स्प्रिंग: फोल्ड जॉन में गर्म जल धीरे-धीरे बहता है।

● ज्वालामुखियों का वितरण:

- निम्नस्थल जॉन (पेरि-प्रशांत मेखला)
- अभिसरण जॉन (मध्य-अटलांटिक कटक)
- अंतरा-प्लेट समुद्री ज्वालामुखी (हवाई भूखला)
- मध्य-महाद्वीपीय बेल्ट और भूमध्यसागरीय क्षेत्र में ज्वालामुखी

● भारत में ज्वालामुखी

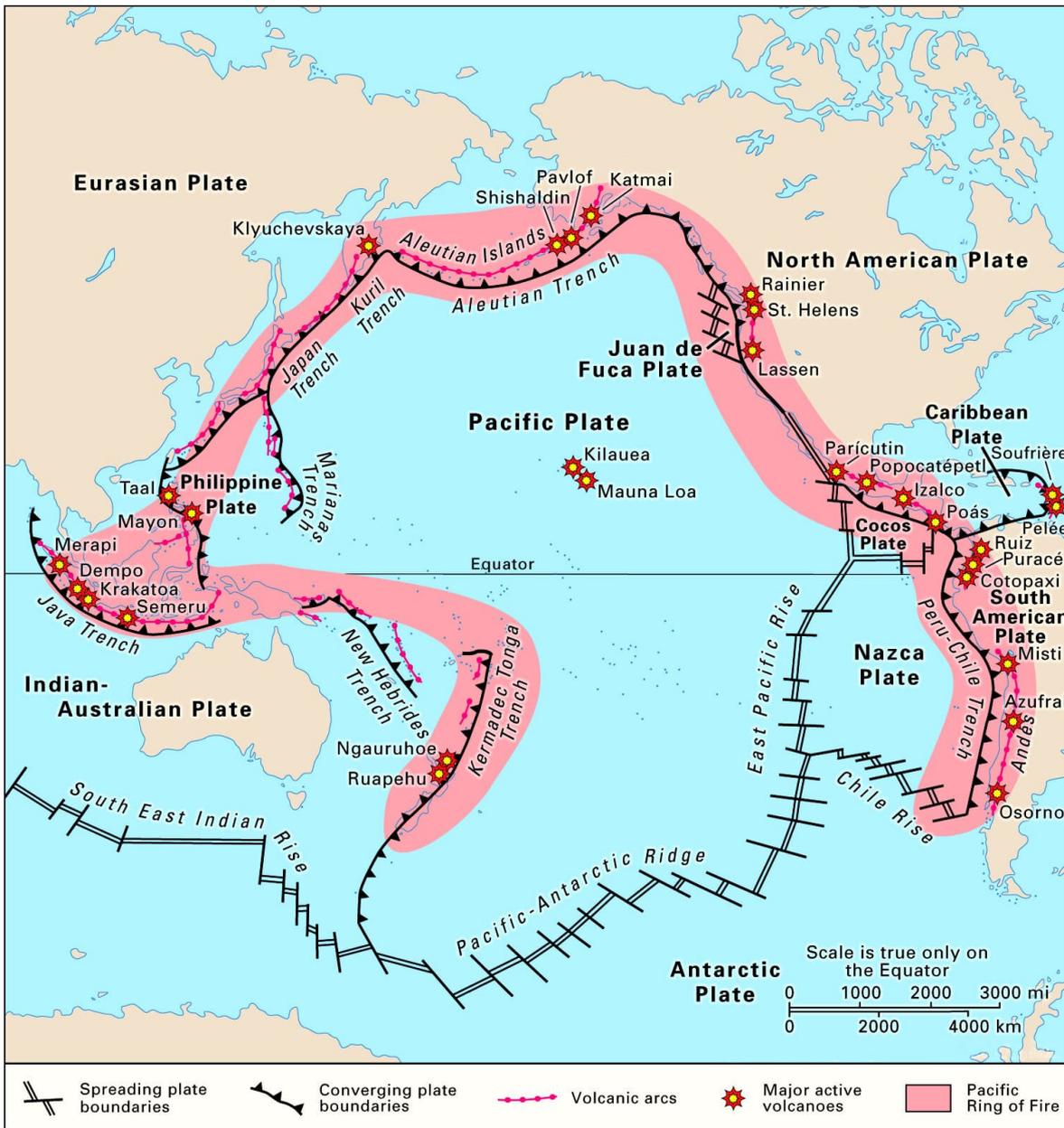
- हिमालय में कोई ज्वालामुखी नहीं
- बैरेन द्वीप (एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी)

● ज्वालामुखी विस्फोट के उत्पाद:

- गैस: H, C, O, S, N, CH₄, NH₃
- टोस: Pyroclastic materials
- द्रव: Lava

प्रशांत अग्नि वलय (रिंग ऑफ फायर):

- रिंग ऑफ फायर, या सर्कम-पैसिफिक बेल्ट, प्रशांत महासागर के चारों ओर एक भूकंपीय क्षेत्र है, यह सक्रिय ज्वालामुखियों और लगातार भूकंपों के लिये जाना जाता है, जो प्रशांत प्लेट तथा आसपास के कम घनत्व वाले प्लेटों के बीच परस्पर क्रिया के कारण होता है।
- 40,000 किलोमीटर में वसित रिंग ऑफ फायर कई टेकटोनिक प्लेटों की सीमाओं को रेखांकित करती है, जिनमें प्रशांत, जुआन डे फूका, कोकोस, भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई, नाज़का, उत्तरी अमेरिकी और फिलीपीन प्लेटें शामिल हैं



और पढ़ें: [ज्वालामुखी](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mount-kanlaon>